आकाशवाणी शिमला

03.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

जीएसटी बैठक

वस्तु और सेवा कर–जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक आज नई दिल्ली में शुरू होगी। दो दिन तक चलने वाली इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन करेंगी। बैठक में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर विचार–विमर्श होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस संबोधन में कहा था कि वस्तु और सेवा कर से देश को व्यापक लाभ हुए हैं। उन्होंने जीएसटी के तहत सुधारों पर बल देते हुए कहा था कि इससे आम आदमी, किसानों, मध्य वर्ग व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को राहत मिलेगी। जीएसटी सुधार दिपावली के अवसर पर घोषित किए जाएंगे। इससे आवश्यक वस्तुओं पर करों में कटौती होगी और स्थानीय रेहड़ी–पटड़ी वालों व उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

हादसा

मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के जंगम बाग में कल शाम पहाड़ी से अचानक आए मलबे में दो घर दब गए। अब तक इस हादसे में छह लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। रात भर से चल रहा रेस्कयू ऑपरेशन अभी भी जारी है। मौके पर पूरा प्रशासन मौजूद है। ताजा जानकारी के साथ हमारे मंडी संवाददाता–

हिमाचल प्रदेश के मंडी ज़िले के सुंदरनगर उपमंडल के जमंगबाग में कल शाम भूस्खलन से दर्दनाक हादसा हो गया। पहाड़ी का हिस्सा दरक कर बीबीएमबी कॉलोनी में बने दो मकानों पर आ गिरा। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं। हादसे के बाद रातभर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और होमगार्ड की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं। बुधवार सुबह तक मलबे से सभी छह शव निकाल लिए गए थे। इस हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मकानों के पास विभाग द्वारा कटिंग और पाइप डालने का काम चल रहा था, जो बरसात के बाद किया जा सकता था। उनका आरोप है कि यही लापरवाही इस बड़ी त्रासदी की वजह बनी। अकाशवाणी समाचार के लिए मंडी से मैं मुनीष सूद

इस बीच जिले के जोगेंद्रनगर के कुंडूनी गांव में भूस्खलन होने से खतरा पैदा हो गया है। प्रशासन ने इस गांव को सुरक्षा के तौर पर खाली करवा दिया है।

मौसम–1

प्रदेश में बीते चार दिनों से लगातार वर्षा का क्रम जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि मंडी, शिमला, उना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू और लाहौल–स्पीति जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार कल चार सितंबर को भी कुछ स्थानों पर अंधड़ व आसमानी बिजली गिरने का अलर्ट रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार ने बताया कि अभी तक मॉनसून सीजन के दौरान सामान्य से 42 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। प्रदेश में वर्षा जनित घटनाओं में 341 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 7 राष्ट्रीय उच्च मार्ग और 1 हजार 1 सौ 55 सड़कें यातायात के लिए बंद पड़ी हैं। राज्य भर में 2477 बिजली ट्रांसफार्मर और 720 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। बांधों में बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए इनसे नियमित तौर पर पानी छोड़ा जा रहा है। भाखड़ा बांध से आज टरबाइनों व फलड गेटों के माध्यम से 65 हजार 42 क्यूसेक जबकि पौंग बांध से 79 हजार 6 सौ 59 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में लोगों से एहतियात बरतने की भी अपील की गई है। इधर, कोल डैम में भी जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसको देखते हुए डैम प्रबंधन ने पानी के स्तर को कम करने के लिए उचित कदम उठाए हैं।

मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए आज आठ जिलों में सभी शिक्षण संस्थान बंद रखे गए हैं, वहीं उना, किन्नौर और मंडी जिलों के कुछ उपमंडलों के शिक्षण संस्थानों में अवकाश रहेगा।

मौसम–2

चंबा जिले में मूसलाधार बारिश से रावी नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। नदी के प्रभाव से शीतला पुल की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने के साथ सड़क का एक बड़ा भाग नदी में समा गया है। ज्यादा जानकारी के साथ हमारे चंबा जिला संवाददाता

चंबा जिला में पिछले 3 दिन से जारी भारी वर्षा से जनजीवन बुरी तरह अस्त–व्यस्त हुआ है। वहीं, मणिमहेश यात्रा के दौरान फंसे यात्रियों का रेस्कूय जारी है। लेकिन ये बारिश इस रेस्कयू अभियान में बाधा बन गई है। रास्ते अवरूद्ध होने से प्रशासन को दिक्कतें हो रही हैं, वही बात करें रावी नदी की तो चंबा की जीवनदायिनी रावी नदी इन दिनों पूरे उफान पर हैं। नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जो खतरे के निशान तक पहुंच गया है। यहीं मंजर 1995 में भी देखने को मिला था और रावी के इसी प्रवास के कारण लोगों को अपने घरों को छोड़कर पलायन करना पड़ा था। आकाशवाणी के लिए चंबा से मैं विकास ठाकुर

दूसरी ओर कुल्लू शहर के अखाड़ा बाजार में गत रात भूस्खलन के चलते एक मकान के उपर भारी मलबा आ गया। घटना में दो लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। इधर, किन्नौर जिले में राष्ट्रीय उच्च मार्ग–5 पर नाथपा झूला के पास पहाड़ियों से चट्टानें गिरने के चलते यहां खड़े वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि जान माल के नुकसान का कोई समाचार नहीं है। वहीं, लाहौल–स्पीति जिले की उंची चोटियों पर आज भी हल्की बर्फबारी जबकि अन्य क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी है। इस बर्फबारी के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।